श्री गुजराती समाज इन्दौर -विकास यात्रा
श्री रायरत्न मणिलाल बलदेवदास गुजराती उ.मा. विद्यालय, इन्दौर

श्री गुजराती समाज, इन्दौर का ''सुनहरा इतिहास एवं प्रकाशमय वर्तमान'' एवं समाज के सदस्यों और उनके परिवारजनों को दी जाने वाली सुविधाएँ ।

श्री गुजराती समाज शिक्षा के लिए समर्पित एक विशाल केन्द्र है। यह इन्दौर का ही नहीं बल्कि प्रदेश का सबसे बड़ा शिक्षा संकुल है। गुजरात से आये हुए व्यावसायिक रूप में साहसिक गुजरातियों ने अपनी भाषा और संस्कृति से जीवंत सम्पर्क बनाये रखने हेतु 1923 में जेलरोड़ पर मात्र 7 छात्रों की संख्या से एक छोटा-सा स्कूल प्रारंभ किया। संख्या वृद्धि एवं स्थान की समस्या को देखते हुए स्व. पेलाभाई नाथाभाई पटेल,स्व. पुरुषोत्तमदास गोरधनदास पटेल एवं स्व. मणीलाल बलदेवदास परीख के प्रयत्नों द्वारा सियागंज में एक किराये के मकान से स्कूल का संचालन किया गया। उसके पश्चात् इनके प्रयत्न एवं दानशीलता के कारण इस छोटे-से स्कूल ने 1925 एवं 1932 में क्रमशः प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय का रूप ले लिया।

व्यावसायिक एवं आर्थिक रूप से सफल श्री मणिलाल परीख गहन आध्यात्मिक प्रवृत्ति के थे। इसी आध्यात्मिकता ने उन्हें विशाल हृदय वाला बना दिया था। 1942 के आते-आते इस विद्यालय को विशाल आकार देने के लिए सेठ श्री ने न केवल रुपये 35000/- दान दिये, अपितु स्वयं और अपने साथियों के साथ भागीरथ प्रयत्न से नगर-नगर, द्वार-द्वार से 1,80,000/- रुपये एकत्रित किए। इन्हीं प्रयासों का मूर्तरूप 1946 में आर.आर.एम.बी. गुजराती हाईस्कूल के रूप में सामने आया और 1948 में हायर सेकेण्डरी विद्यालय बन गया। 1948 की श्री वल्लभभाई पटेल की इन्दौर यात्रा ने यहाँ के गुजरातियों में एक नया जोश भर दिया और वे सम्पूर्ण भारतीयों के लाभार्थ का दृष्टिकोण अपनाकर विकास कार्यों में जुट गये। स्व. श्री सेठ मणिलालजी के दान की सहायता से 1952 में इण्टर कॉलेज की स्थापना की गई जिसमें विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों का अध्यापन होता था। नौकरी पेशा वर्ग हेतु 1956 में रात्रिकालीन कला संकाय प्रारंभ किया गया। इस इण्टर कॉलेज को 1958 में डिग्री कॉलेज बना दिया गया। सेठजी की धर्मपत्नी श्रीमती चंचलबेन मणिलाल परीख के सहयोग से 1957 में सी.एम.पी. विद्यालय की स्थापना हुई। समाज को शिक्षा विस्तार के लिए महारानी रोड़ पर शासन से जमीन प्राप्त हुई जहां श्री भाईलाल पटेल एवं श्री अम्बालाल पटेल के आर्थिक सहयोग से 1962 में के.बी. पटेल कन्या विद्यालय की स्थापना की गई। 1963 में दानवीर श्री गोवर्धनदास पटेल ने अपने पिता की स्मृति में पेलाभाई नाथाभाई पटेल बाल मंदिर का निर्माण महारानी रोड़ पर कराया।

1970 तक महाविद्यालय का कार्यक्षेत्र बढ़ जाने से इसे विज्ञान महाविद्यालय व कला वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय के स्वतंत्र भागों में बाँट दिया गया। 1970 में कला संकाय में कला एवं 1974 में विज्ञान महाविद्यालय में बॉटनी व केमिस्ट्री की पोस्ट ग्रेज्युएट कक्षाएँ आरंभ हुई। वर्ष 1982 में प्रारंभ एम.के.एच.एस. जी.सी.सी. देश का प्रथम कन्या वाणिज्य महाविद्यालय है। इसे मातुश्री कंकुबेन हीराचंद संघवी, चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दान प्राप्त है। 1983 एवं 1986 में यहाँ क्रमशः गृह विज्ञान एवं वाणिज्य की पी.जी. कक्षाएँ प्रारंभ हुईं।

श्री गुजराती समाज ने रोजगारमूलक व आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता महसूस कर महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना वर्ष 1989 में की।

गुजराती विज्ञान महाविद्यालय, माइक्रोबॉयलाजी, इलेक्ट्रॉनिक व कम्प्यूटर साइन्स विषय स्नातक स्तर पर प्रारंभ करने में शहर/प्रदेश में प्रथम स्थान पर था। बाद में महाविद्यालय में बायोटेक्नालॉजी एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी के नये पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किये गये।

ए.बी. रोड़ पर स्थित योजना क्रमांक 54 में 12 एकड़ भूमि पर विशाल बहुउद्देशीय शिक्षा कॉम्पलेक्स प्रारंभ किया। स्व. मुकेश अजमेरा पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा दान देकर यहाँ अजमेरा मुकेश नेमीचंद इंग्लिश मिडियम स्कूल जो कि केन्द्रीय शिक्षा मंडल, दिल्ली से मान्यता प्राप्त है कि स्थापना 1992 में की गई। तब से यह विद्यालय प्रतिवर्ष सफलता व लोकप्रियता अर्जित कर रहा है। गुजराती विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के पीछे 5 एकड़ के लगभग का एक विशाल मैदान सरदार पटेल के नाम पर है। यहाँ पर संस्था का प्रदेश प्रसिद्ध जिम है जो सभी प्रकार के साधनों से सुसज्जित है। खेल सम्बन्धी सभी सुविधाएँ यहाँ पर उपलब्ध हैं।

पारंपरिक शिक्षा के साथ व्यावसायिक एवं राजगारोन्मुखी शिक्षा के क्षेत्र में समाज ने प्रवेश किया है। समाज द्वारा1999 से होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेन्टर संचालित हो रहा है। इसी प्रकार 2001 से समाज ने इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज प्रारंभ किया है। इसमें एम.सी.एम., बी.सी.ए. आदि पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैंएवं एम.बी.ए. पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। ये दोनों महाविद्यालय समाज के नये परिसर स्कीम नं. 54 में चल रहे हैं। यह परिसर वर्तमान में पूर्ण रूप से निर्मित किया जा चुका है एवं पूर्णतः सुसज्जित परिसर के रूप में स्थापित हो गया है ।

दानदाता श्री अशोक पटेल ने अपने माता-पिता की स्मृति में समाज को 43 लाख का दान दोनों महाविद्यालयों के लिए दिया है। दोनों महाविद्यालयों का नाम उनके माता-पिता के नाम पर क्रमशः श्रीमती कमलाबेन रावजीभाई पटेल गुजराती होम्योपैथिक कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर तथा रावजीभाई गोकलभाई पटेल गुजराती प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट रखे गये हैं।

समय की मांग एवं आवश्यकता को देखते हुए वर्ष 2005-06 में श्री गुजराती समाज बी.एड. कॉलेज की स्थापना की गई।

दानदाता श्री दीपचंद गार्डी चेरीटेबल ट्रस्ट, मुम्बई ने इनोवेटिव कॉलेज को श्री जयंतिभाई संघवी की स्मृति में रूपये 21,00,000/- का दान दिया हैएवं उनकी स्मृति में इनोवेटिव कॉलेज का नाम बदलकर ''श्री जयंतिलाल हीराचंद संघवी गुजराती इनोवेटिव कॉलेज ऑफ कॉमर्स एण्ड साईंस'' कर दिया गया है। समाज ने वर्ष 2007-08 से एक और नया महाविद्यालय ''श्री गुजराती समाज कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी'' के नाम से प्रारंभ किया हैएवं इस कॉलेज के नाम के लिये ''नूतनबेन मनसुखलाल तुरखिया (पब्लिक ट्रस्ट) मुम्बई'' की ओर से रूपये 22,61,000/- का दान प्राप्त हुआ है। दानदाता के नाम पर फार्मेसी कॉलेज का नाम ''श्रीमती नूतनबेन मनसुखभाई तुरखिया गुजराती कॉलेज ऑफ फार्मेसी'' रखा गया।

समाज द्वारा धार रोड़ पर लगभग 9 बीघा एवं राजेन्द्र नगर पर 41,000 स्के.फीट जमीन क्रय की गई हैएवं भविष्य में इन दोनों जगहों पर आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य किया जावेगा।

समाज के लिये बड़ी उपलब्धी यह भी रही कि म.प्र. अल्पसंख्यक आयोग ने श्री गुजराती समाज द्वारा संचालित समस्त विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को भाषायी अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाएँ मानते हुए भाषायी अल्पसंख्यता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया है।

इन्दौर शहर का कोई घर ऐसा नहीं है, जिसके सदस्यों ने गुजराती समाज में शिक्षा न ली हो। विश्वविद्यालय का हर सातवां विद्यार्थी गुजराती कॉलेज का है। वर्तमान में समाज 9 महाविद्यालय एवं 6 विद्यालयों का संचालन कर रहा है। लगभग 21,967 छात्र यहाँ विद्याध्ययन कर रहे हैं। लगभग 1,252 शिक्षक एवं कर्मचारी इस शिक्षायज्ञ में अपनी आहुती दे रहे हैं। श्री गुजराती समाज ने देश को नेता, मंत्री, आई.ए.एस., आई.पी.एस. अधिकारी सफल उद्योगपति, वैज्ञानिक एवं विद्वान दिये हैं।

श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा संचालित विद्यालय :- आर.आर.एम.बी. गुजराती उ.मा. विद्यालय, श्री के.बी. पटेल गुजराती कन्या उ.मा. विद्यालय एवं श्रीमती ध.म.प. गुजराती प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत गुजराती विद्यार्थियों की पूरी फीस माफ की जाती है और गुजराती विद्यार्थियों को स्कूल युनिफॉर्म, कॉपी-किताबें, स्कूल बेग एवं स्कूल शूज भी समाज की तरफ से नि:शुल्क दिये जाते है।

श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा संचालित ए.एम.एन. इंग्लिश मिडियम स्कूल में अध्ययनरत गुजराती विद्यार्थियों की फीस में 50% की रियायत (छूट) दी जाती है।

श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा संचालित महाविद्यालयों में (होम्योपैथिक, प्रोफेशनल, बी.एड. एवं फॉर्मेसी को छोड़कर) अध्ययनरत गुजराती विद्यार्थियों की फीस में 50% की रियायत (छूट) दी जाती है।

समाज द्वारा गुजराती विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

समाज द्वारा नियमानुसार सभी (स्कूल/कॉलेज) में गरीब विद्यार्थियों (गैर गुजराती) की फीस भी माफ की जाती है।

छात्र/छात्राओं के आवागमन सुविधा हेतु समाज में कुल 87 बसे, 10 छोटी गाड़ियाँ (2 बोलेरो, 6 तूफान एवं 2 निसान कार) एवं 1 पिकअप वाहन है, जो शासन के नियम अनुसार जी.पी.एस., कैमेरा, सीट बेल्ट, स्पीड गर्वनर की सुविधाओं के साथ संचालित किये जा रहे है।

श्री गुजराती समाज शिक्षा क्षेत्र के अलावा समाज सेवा में भी अग्रणी है। समाज द्वारा सेवा के उद्देश्य से कई गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। कुछ मुख्य गतिविधियाँ निम्न हैं :-

* 1963 में बाहरी यात्रियों की सुविधा के लिए आर.आर. कॉन्ट्राक्टर अतिथि गृह का निर्माण किया गया था। यात्रियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए समाज ने नये गेस्ट हाऊस एवं गुजराती सदस्यों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वाड़ी का निमार्ण स्नेहलतागंज में 8400 वर्ग फीट के भूखंड पर किया है। नया गेस्ट हाऊस अति आधुनिक एवं ए.सी. रुम की सुविधाओं वाला है। जिसमें 20 ए.सी रुम, 2 कॉन्फ्रेन्स हॉल, लिफ्ट की सुविधा भी है। नये गेस्ट हाऊस में मांगलिक एवं वैवाहिक कार्यक्रम होने की सुविधा भी है। साथ ही अतिथि गृह में सोलर पैनल प्लांट भी लगवाया गया है जिससे बिजली की अत्यधिक बचत हो जावेगी।

  स्नेहलतागंज स्थित गेस्ट हाऊस के तलघर में एवं समाज के स्कीम नं. 54 स्थित परिसर तथा नवलखा में हेल्थ सेन्टर का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है, जिसमें कई अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई है। हेल्थ सेन्टर की वार्षिक फीस न्यूनतम रु. 120/- प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति रखी गई हैऔर इस जिम्नेशियम में कई गुजराती परिवार (बच्चे, महिला एवं पुरूष) लाभांवित हो रहे है।
* श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा समाज के स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में एक 100 बेड का भव्य हॉस्पिटल बनाया जा रहा है, जिसमें अत्याधुनिक जाँच मशीनें - सीटी स्केन, वेंटीलेटर, ई.सी.जी., ऑक्सीजन मशीन, बेड इत्यादि की सुविधाएँ उपलब्ध की जावेगी और मेडिकल स्टाफ भी नियुक्त किया जावेगा।
* समय-समय पर गुजराती भाषा एवं संस्कृति से परिचित करवाने के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके अन्तर्गत गुजराती भाषा में नाटक, डायरा एवं गीत-संगीत, गरबा आदि के कार्यक्रम किये जाते हैं, जिसमें गुजराती कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं।
* समाज द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें समस्त गुजराती पेटा समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान शॉल-श्रीफल से किया जाता है और गुजराती परिवारों के लिए सुमधुर गीत-संगीत का आयोजन भी किया जाता है।

- समाज द्वारा तीन दिवसीय भव्य पैमाने पर 'स्वाद बानगी' का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें विभिन्न प्रकार के गुजराती खान-पान के स्टॉल लगाये जाते है। साथ ही शहर के नागरिको के लिए सुमधुर गीत-संगीत का आयोजन भी किया जाता हैऔर बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले भी लगाये जाते है।
- समाज द्वारा समय-समय पर अलग-अलग जगहों पर समाज के सदस्यों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमें बहुत से गुजराती परिवार के सदस्य इसका लाभ लेते है।
- समाज द्वारा सदस्यों के लिए चिकित्सा सहायता में जो सदस्य फॉर्म के साथ हॉस्पिटल का ओरिजनल बिल लगाता है और जिनका मेडिक्लेम नहीं है, उन्हें खर्च के हिसाब से 25% तक की राशि सहायता के रुप में दी जाती है एवं जिन सदस्यों का मेडिक्लेम है अथवा डुप्लीकेट बिल फॉर्म के साथ लगाते है उन्हें खर्च के हिसाब से 15% तक की राशि सहायता के रुप में दी जाती है।
- होम्योपैथिक महाविद्यालय के अन्तर्गत शहर में 8 बाह्य रोगी केन्द्र संचालित हो रहे हैं, जहाँ न्यूनतम शुल्क पर चिकित्सा की जाती है। पिछले वर्ष कुल 61,445 मरीजों का उपचार किया गया। साथ ही नये हॉस्पिटल भवन का निर्माण कार्य भी शुरु किया गया है।
- नसिया रोड स्थित परिसर एवं स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में नये बेडमिन्टन कोर्ट का निर्माण किया गया, जिसमें छात्र/छात्राएँ एवं गुजराती भाई/बहन इसका लाभ ले रहे है।
- आर.आर.एम.बी. स्थित सेन्ट्रल हॉल का नवीनीकरण किया गया है, जिसे ए.सी., साउण्ड सिस्टम, अत्याधुनिक लाईट से सुसज्जित किया गया है।
- सरदार पटेल मैदान एवं स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में नये बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण किया गया एवं मैदान के चारो तरफ स्टेयर भी बनाये गयेहै।
- स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए समाज के स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में एक कम्पोस्ट मशीन भी लगाई गई है।
- समाज द्वारा तीनों परिसरों में गांधी प्रतिमा स्थापित की गई।
- समाज द्वारा सरदार पटेल मैदान स्थित प.म.ब. गुजराती विज्ञान महाविद्यालय की छत के ऊपर स्व. मुकेशभाई कांतिभाई पटेल ऑडिटोरियम हॉल का निर्माण किया गया।
- गुजराती महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु श्री गुजराती समाज द्वारा नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिया जाता हैएवं प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीनें दी जाती हैं। अभी तक 1,513 महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई है।
- समाज द्वारा गुजराती भाई/बहनों को जो चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है, उसमें । साथ ही समाज के वृद्धजनों जिनकी उम्र 65 से अधिक है उन्हें रुपये 500/- प्रतिमाह एवं 75 वर्ष से ज्यादा उम्र के वृद्धजनों को रुपये 600/- प्रतिमाह प्रत्येक तीन माह में एक साथ दिये जाते है।
- जरुरतमंद गुजराती परिवारों में जिन बालिकाओं का विवाह होता है उनको समाज की ओर से रुपये 15,000/- की आर्थिक सहायता भेंट स्वरुप प्रदान की जाती है।
- समाज द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना के अन्तर्गत जिन गुजराती परिवारों में बालिका का जन्म होता है, उनके माता-पिता को बालिका के नाम से रुपये 6,000/- की एफ.डी. बनाकर दी जाती है।
- जरुरतमंद गुजराती महिलाएँ जो विधवा या तलाकशुदा है, उनको आर्थिक सहायता के रुप में समाज की ओर से रुपये 500/- प्रतिमाह प्रत्येक तीन माह में एक साथ दिये जाते है।
- समाज द्वारा दिव्यांगों को आर्थिक सहायता के रुप में रुपये 500/- प्रतिमाह प्रत्येक तीन माह में एक साथ दिये जाते है।
- जरुरतमंद गुजराती परिवारों में जिनके यहाँ किसी सदस्य का निधन हो जाता है तो उनके अंतिम संस्कार के लिए रुपये 2,000/- की आर्थिक सहायता समाज द्वारा प्रदान की जाती है।
- समाज द्वारा कोरोना काल में जरुरतमंद गुजराती परिवारों को अनाज वितरण किया गया।

इसके अतिरिक्त निम्न सेवा एवं सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं :-

- श्रीमती नलिनीबेन भोगीलाल शाह गुजराती पुस्तकालय एवं वाचनालय।
- श्रीमती रुक्मणीबेन दीपचंद गार्डी पारमार्थिक चेरिटेबल ट्रस्ट एवं जैन समाज द्वारा एम्बुलेंस सेवा।
- श्रीमती कमलाबेन रावजीभाई पटेल कम्युनिटी हॉल, नसिया रोड, इन्दौर।
- श्री गुजराती समाज सेवा वाहन (शव-वाहन)।

''समाज का मूल उद्देश्य नि:स्वार्थ भावना से सेवा करना है।''

(पंकजभाई संघवी)
मानद् महामंत्री,
श्री गुजराती समाज, इन्दौर